*स्थापत्य कला के दृष्टिकोण से सांची के स्तूप को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। ***सांची** म.प्र. के रायसेन जिले में स्थित है। *इसका **निर्माण अशोक ने** कराया था। *इस स्तूप का आरंभिक काल तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व था। ***भरहुत का स्तूप** म.प्र. के सतना जिले में स्थित है। ***सांची के स्तूप की खोज हेनरी टेलर** तथा **भरहुत के स्तूप की खोज एलेक्जेंडर कनिंघम** ने की थी। ***अमरावती का स्तूप** आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में कृष्णा नदी के दाहिने तट पर स्थित है, **कर्नल कॉलिन मैकेंजी ने 1797 ई. में इस स्तूप का** पता लगाया था। ***सारनाथ का धमेख स्तूप गुप्तकालीन है,** जो बिना अधिष्ठान के समतल भूमि पर बनाया गया है।

*बिहार में **पटना (पाटलिपुत्र) के समीप बुलंदीबाग** एवं **कुम्रहार** में की गई खुदाई से **मौर्य काल के लकड़ी के विशाल भवनों** के अवशेष प्रकाश में आए। *इन्हें प्रकाश में लाने का श्रेय **स्पूनर** महोदय को है। ***बुलंदीबाग से नगर के परकोटे के अवशेष** तथा **कुम्रहार से राजप्रासाद के अवशेष** प्राप्त हुए हैं। ***बुलंदीबाग, पाटलिपुत्र का प्राचीन स्थान** था। *जिस महत्वाकांक्षी व्यक्ति ने 184 ई.पू. में अंतिम मौर्य शासक **बृहद्रथ** की हत्या करके शुंग राजवंश की स्थापना की, वह इतिहास में **पुष्यमित्र शुंग** के नाम से विख्यात है।

*ई.पू. की कुछ शताब्दियों में चंद्रगुप्त मौर्य एवं अशोक ने **गिरनार क्षेत्र** में जल संसाधन व्यवस्था की ओर ध्यान दिया। *उस क्षेत्र में चंद्रगुप्त मौर्य ने **सुदर्शन झील** खुदवाई तथा **अशोक ने ई.पू. तीसरी शताब्दी में इससे नहरें** निकालीं। *शक क्षत्रप **रुद्रदामन** के **जूनागढ़ अभिलेख** में इन दोनों के कार्यों का वर्णन है। *जूनागढ़ के शासक रुद्रदामन ने इस झील की मरम्मत कराई थी।

प्रश्नकोश

1. प्रथम भारतीय साम्राज्य स्थापित किया गया था–

(a) कनिष्क द्वारा (b) हर्ष द्वारा

(c) चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा (d) समुद्रगुप्त द्वारा

U.P. Lower Sub. (Pre) 2002

उत्तर–(c)

चंद्रगुप्त मौर्य की गणना भारत के महान शासकों में होती है। वह भारत का प्रथम ऐतिहासिक सम्राट था। वह ऐसा पहला सम्राट था, जिसने वृहत्तर भारत पर अपना शासन स्थापित किया और जिसका विस्तार ब्रिटिश भारतीय साम्राज्य से बड़ा था। उसके साम्राज्य की सीमा ईरान से मिलती थी। उसने ही भारत को सर्वप्रथम राजनीतिक रूप से एकबद्ध किया।

2. भारत में पहले साम्राज्य की स्थापना किस शासक के द्वारा की गई थी?

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) अशोक

(c) कनिष्क (d) चंद्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं / उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Pre) Re. Exam 2020

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. निम्नलिखित में कौन-सा सबसे पुराना राजवंश है?

(a) गुप्त (b) मौर्य

(c) वर्धन (d) कुषाण

Uttarakhand Lower Sub. (Pre) 2010

उत्तर–(b)

उपर्युक्त दिए गए विकल्पों में मौर्य राजवंश सबसे प्राचीन है। इसका समय 321-184 ई.पू. तक था। मौर्य राजवंश की स्थापना चंद्रगुप्त मौर्य ने की थी। इसके बाद कुषाण वंश, गुप्त राजवंश (275-550 ई.) और वर्धन राजवंश ने प्राचीन भारत पर शासन किया।

4. जिसके ग्रंथ में चंद्रगुप्त मौर्य का विशिष्ट रूप से वर्णन हुआ है, वह है–

(a) भास (b) शूद्रक

(c) विशाखदत्त (d) अश्वघोष

46th B.P.S.C. (Pre) 2003

उत्तर–(c)

विशाखदत्त कृत 'मुद्राराक्षस' से चंद्रगुप्त मौर्य के विषय में विस्तृत सूचना प्राप्त होती है। इस ग्रंथ में चंद्रगुप्त को नंदराज का पुत्र माना गया है। मुद्राराक्षस में चंद्रगुप्त को 'वृषल' तथा 'कुलहीन' भी कहा गया है।

5. यूनानी लेखक जस्टिन द्वारा किसे 'सैंड्रोकोट्स' कहा गया था?

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) चंद्रगुप्त प्रथम

(c) चंद्रगुप्त द्वितीय (d) समुद्रगुप्त

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(a)

विलियम जोंस पहले विद्वान थे, जिन्होंने 'सैंड्रोकोट्स' की पहचान मौर्य शासक चंद्रगुप्त मौर्य से की। एरियन तथा प्लूटार्क ने चंद्रगुप्त मौर्य को एंड्रोकोट्स के रूप में वर्णित किया है, जबकि जस्टिन ने 'सैंड्रोकोट्स' (चंद्रगुप्त मौर्य) और सिकंदर महान की भेंट का उल्लेख किया है।

6. सैंड्रोकोट्स से चंद्रगुप्त मौर्य की पहचान किसने की?

(a) विलियम जोंस

(b) वी. स्मिथ

(c) आर.के. मुखर्जी

(d) डी.आर. भंडारकर

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

7. निम्न में से किसने 'सैंड्रोकोट्स' (चंद्रगुप्त मौर्य) और सिकंदर महान की भेंट का उल्लेख किया है?

(a) प्लिनी (b) जस्टिन

(c) स्ट्रैबो (d) मेगस्थनीज

U.P. Lower Sub. (Pre) 2008

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. कौटिल्य प्रधानमंत्री थे—

(a) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के (b) अशोक के

(c) चंद्रगुप्त मौर्य के (d) राजा जनक के

U.P.P.C.S. (Pre) 2002

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2002

उत्तर—(c)

कौटिल्य इतिहास में विष्णुगुप्त तथा चाणक्य इन दो नामों से भी विख्यात थे। जब चंद्रगुप्त मौर्य भारत का एकछत्र सम्राट बना, तो कौटिल्य प्रधानमंत्री, महामंत्री तथा प्रधान पुरोहित के पद पर आसीन हुए। उन्होंने राजनीति शास्त्र पर 'अर्थशास्त्र' नामक प्रसिद्ध ग्रंथ की रचना की थी। यह भारत में राजशासन के ऊपर उपलब्ध प्राचीनतम रचना है।

9. चाणक्य अपने बचपन में किस नाम से जाने जाते थे?

(a) अजय (b) चाणक्य

(c) विष्णुगुप्त (d) देवगुप्त

U.P.P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर—(c)

ऋषि चणक ने अपने पुत्र का नाम चाणक्य रखा था। 'अर्थशास्त्र' के लेखक के रूप में इसी पुस्तक में उल्लिखित 'कौटिल्य' तथा एक पद्यखंड में उल्लिखित 'विष्णुगुप्त' नाम की साम्यता चाणक्य से की जाती है। पुराणों में उसे 'द्विजर्षभ' (श्रेष्ठ ब्राह्मण) कहा गया है। प्रश्न में बचपन के नाम की बात कही गई है। चाणक्य पर विशेष अध्ययन करने वाले विद्वान ट्रॉटमैन के अनुसार, चाणक्य तथा कौटिल्य नाम चाणक्य के गोत्र-नाम हो सकते हैं। इसी प्रकार अनेक विद्वानों ने यह निष्कर्ष निर्गत किया है कि चाणक्य तथा विष्णुगुप्त एवं कौटिल्य अलग-अलग व्यक्ति हैं। आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विष्णुगुप्त अपनी वेबसाइट पर प्रदर्शित किया था। इसके अनुसार विकल्प (c) विष्णुगुप्त सही उत्तर होगा।

10. चाणक्य का अन्य नाम था—

(a) भट्टस्वामी (b) विष्णुगुप्त

(c) राजशेखर (d) विशाखदत्त

I.A.S. (Pre) 1993

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. कौटिल्य की पुस्तक अर्थशास्त्र किस विषय पर आधारित है?

(a) आर्थिक संबंध

(b) शासनकला के सिद्धांत और अभ्यास

(c) विदेश नीति

(d) धन संचय

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(e)

कौटिल्य (चाणक्य) द्वारा मौर्य काल में रचित अर्थशास्त्र शासन के सिद्धांतों और अभ्यास की पुस्तक है। इसमें राज्य के लिए मंडल सिद्धांत हैं, जो विदेश नीति की व्याख्या करता है। इसके अलावा इसमें सप्तांग सिद्धांत - राजा, अमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, दंड एवं मित्र की सर्वप्रथम व्याख्या मिलती है। अर्थशास्त्र में तत्कालीन प्रशासन एवं कृषि, शिल्प एवं व्यापार व्यवस्था की भी विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है।

12. कौटिल्य का अर्थशास्त्र है, एक -

(a) चंद्रगुप्त मौर्य के संबंध में नाटक

(b) आत्मकथा

(c) चंद्रगुप्त मौर्य का इतिहास

(d) शासन के सिद्धांतों की पुस्तक

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. निम्नलिखित में से राज्य के सप्तांग सिद्धांत के अनुसार, राज्य का सातवां अंग कौन-सा था?

(a) जनपद (b) दुर्ग

(c) मित्र (d) कोश

U.P. P.C.S. (Pre) (Re-Exam) 2015

उत्तर—(c)

सुहृद (मित्र) राज्य के सप्तांग सिद्धांत के अनुसार, राज्य का सातवां अंग है। सुहृद (मित्र) राज्य के कान हैं। राजा के मित्र शांति एवं युद्धकाल दोनों में ही उसकी सहायता करते हैं। इस संबंध में कौटिल्य सहज (आदर्श) तथा कृत्रिम मित्र में भेद करते हैं। सहज मित्र, कृत्रिम मित्र से अधिक श्रेष्ठ होता है। जिस राजा के मित्र लोभी, कामी तथा कायर होते हैं, उसका विनाश अवश्यंभावी है।

Scanned with OKEN Scanner

14. कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में किस पहलू पर प्रकाश डाला गया है?

(a) आर्थिक जीवन (b) राजनीतिक नीतियां

(c) धार्मिक जीवन (d) सामाजिक जीवन

45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर–(b)

कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' द्वारा चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल की बहुत-सी बातों का ज्ञान प्राप्त होता है। यह वस्तुतः ऐतिहासिक ग्रंथ नहीं है, अपितु राजनीति शास्त्र का एक अद्वितीय ग्रंथ है। इसमें मुख्यतः राजनीतिक नीतियों पर प्रकाश डाला गया है।

15. कौटिल्य अर्थशास्त्र के अनुसार, निम्नलिखित में कौन-से सही हैं?

1. न्यायिक दंड के परिणामस्वरूप कोई व्यक्ति दास हो सकता था।

2. स्त्री दास अपने मालिक के संसर्ग से पुत्र जनन पर कानूनी तौर पर मुक्त हो जाती थी।

3. यदि स्त्री दास का मालिक उस स्त्री से पैदा हुए पुत्र का पिता हो, तो उस पुत्र को मालिक का पुत्र होने का कानूनी हक मिलता था।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2022

उत्तर–(a)

अर्थशास्त्र के तीसरे अधिकरण के 65वें प्रकरण में दास- कल्प अध्याय है। इसके अनुसार, न्यायिक दंड के परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति को दास बनाया जा सकता है। स्त्री दास को अपने मालिक से संसर्ग से संतान होने पर स्त्री और बच्चा दोनों को दासता से मुक्त हो जाने का प्रावधान था। परंतु बालक को पिता के पुत्र होने का कानूनी हक नहीं मिलता था। अतः कथन 1 और 2 सत्य हैं, जबकि कथन 3 असत्य है।

16. निम्नांकित में से किसकी तुलना मैक्यावेली के 'प्रिंस' से की जा सकती है?

(a) कालिदास का मालविकाग्निमित्रम

(b) कौटिल्य का अर्थशास्त्र

(c) वात्स्यायन का कामसूत्र

(d) तिरुवल्लुवर का तिरुक्कुरल

U.P.P.C.S. (Pre) 1994

उत्तर–(b)

अर्थशास्त्र राजनीति शास्त्र का एक अद्वितीय ग्रंथ है। इसकी तुलना 'मैक्यावेली' के 'प्रिंस' से की जाती है।

17. किसके शासनकाल में डीमेकस भारत आया था?

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) बिंदुसार

(c) अशोक (d) कनिष्क

U.P. Lower Sub. (Pre) 2015

उत्तर–(b)

स्ट्रैबो के अनुसार, सीरिया के राजा एंटियोकस ने डीमेकस (डाइमेकस) नामक अपना एक राजदूत बिंदुसार की राज सभा में भेजा था। यह मेगस्थनीज के स्थान पर आया था।

18. बिंदुसार के शासनकाल में अशोक ने अवंति महाजनपद जीतकर मौर्य साम्राज्य में मिला लिया था। इसका उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है?

(a) बुद्ध घोष की समंत पासादिका

(b) कौटिल्य का अर्थशास्त्र

(c) पाणिनि की अष्टाध्यायी

(d) पतंजलि का महाभाष्य

M.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(a)

बिंदुसार के शासनकाल में अशोक ने अवंति महाजनपद जीतकर मौर्य साम्राज्य में मिला लिया था। इसका उल्लेख बुद्ध घोष की 'समंत पासादिका' नामक ग्रंथ में मिलता है। दिव्यावदान से ज्ञात होता है कि बिंदुसार के शासनकाल में अशोक अवंति (उज्जयिनी) का उपराजा (वायसराय) था। बुद्धकाल में अवंति महाजनपद भारत के 16 महाजनपदों में से एक था। यह महाजनपद मालवा क्षेत्र में अवस्थित था। इसके दो भाग थे-उत्तरी अवंति जिसकी राजधानी उज्जयिनी, जबकि दक्षिणी अवंति जिसकी राजधानी माहिष्मती थी।

19. पाटलिपुत्र में स्थित चंद्रगुप्त का महल मुख्यतः बना था–

(a) ईंटों का (b) पत्थर का

(c) लकड़ी का (d) मिट्टी का

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर–(c)

बिहार में पटना (पाटलिपुत्र) में स्थित बुलंदीबाग एवं कुम्रहार में की गई खुदाई से मौर्य काल के लकड़ी के विशाल भवनों के अवशेष प्रकाश में आए हैं। इन्हें प्रकाश में लाने का श्रेय स्पूनर महोदय को है। बुलंदीबाग से नगर के परकोटे के अवशेष तथा कुम्रहार से राजप्रासाद के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

20. किस प्राचीन नगर के अवशेष कुम्रहार स्थल से प्राप्त हुए हैं?

(a) वैशाली (b) पाटलिपुत्र

(c) कपिलवस्तु (d) श्रावस्ती

U.P.P.C.S. (Mains) 2011

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. बुलंदीबाग प्राचीन स्थान था–

(a) कपिलवस्तु का (b) पाटलिपुत्र का

(c) श्रावस्ती का (d) वाराणसी

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

22. निम्नलिखित में से किस मौर्य राजा ने दक्कन की विजय प्राप्त की थी?

(a) अशोक (b) चंद्रगुप्त

(c) बिंदुसार (d) कुणाल

46th B.P.S.C. (Pre) 2003

उत्तर–(b)

मौर्य साम्राज्य के संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य ने दक्षिण भारत की विजय प्राप्त की थी। इस संदर्भ में अशोक के अभिलेखों, जैन एवं तमिल साक्ष्यों से जानकारी प्राप्त होती है। दक्षिण भाग के अनेक स्थलों में अशोक के अभिलेख प्राप्त हुए हैं, किंतु अशोक ने एकमात्र कलिंग विजय ही की थी। अतः ऐसी स्थिति में दक्षिण में विजय का श्रेय हमें चंद्रगुप्त मौर्य को ही देना पड़ेगा, क्योंकि बिंदुसार की विजय अत्यंत संदिग्ध है एवं इतिहास में उसे एक विजेता के रूप में स्मरण नहीं किया जाता। जैन एवं तमिल साक्ष्य भी चंद्रगुप्त मौर्य की दक्षिण विजय की पुष्टि करते हैं।

23. मालवा, गुजरात एवं महाराष्ट्र किस शासक ने पहली बार जीता?

(a) हर्ष (b) स्कंदगुप्त

(c) विक्रमादित्य (d) चंद्रगुप्त मौर्य

U.P.P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर–(d)

राजनैतिक तौर पर लगभग समस्त भारत का एकीकरण चंद्रगुप्त मौर्य के नेतृत्व में संभव हुआ। प्रारंभिक विजयों के फलस्वरूप चंद्रगुप्त का साम्राज्य व्यास नदी से लेकर सिंधु नदी तक के प्रदेश पर हो गया। रुद्रदामन के अभिलेख से पश्चिमी भारत पर उसका अधिकार प्रमाणित होता है। जैन ग्रंथों के अनुसार, सौराष्ट्र के साथ-साथ अवंति पर भी चंद्रगुप्त मौर्य का अधिकार था। उसकी मृत्यु के समय उसके साम्राज्य का विस्तार पश्चिम में हिंदुकुश पर्वत से लेकर पूरब में बंगाल की खाड़ी तक तथा उत्तर में हिमालय की श्रृंखलाओं से लेकर दक्षिण में मैसूर तक था।

24. अभिलेख, जिससे यह प्रमाणित होता है कि चंद्रगुप्त का प्रभाव पश्चिम भारत पर था, है–

(a) कलिंग शिलालेख

(b) अशोक का गिरनार शिलालेख

(c) रुद्रदामन का जूनागढ़ शिलालेख

(d) अशोक का सोपारा शिलालेख

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

U.P.P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर–(c)

150 ई. के रुद्रदामन के जूनागढ़ शिलालेख में आनर्त और सौराष्ट्र (गुजरात) प्रदेश में चंद्रगुप्त मौर्य के प्रांतीय राज्यपाल 'पुष्यगुप्त' द्वारा सिंचाई के बांध के निर्माण का उल्लेख मिलता है, जिससे यह सिद्ध होता है कि पश्चिम भारत का यह भाग मौर्य साम्राज्य में शामिल था।

25. गुजरात चंद्रगुप्त मौर्य के साम्राज्य में सम्मिलित था, यह प्रमाणित होता है -

(a) ग्रीक विवरणों से

(b) रुद्रदामन के जूनागढ़ शिला अभिलेख से

(c) जैन परंपरा से

(d) अशोक के स्तंभलेख II से

U.P.U.D.A./L.D.A. (Mains) 2010

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. सेल्यूकस, जिनको अलेक्जेंडर द्वारा सिंध एवं अफगानिस्तान का प्रशासक नियुक्त किया गया था, को किस भारतीय राजा ने हराया था?

(a) समुद्रगुप्त (b) अशोक

(c) बिंदुसार (d) चंद्रगुप्त

M.P.P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर–(d)

मौर्य वंश के संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य ने सिकंदर के साम्राज्य के पूर्वी भाग के शासक सेल्यूकस की आक्रमणकारी सेना को 305 ई. पू. में परास्त किया था।

27. चंद्रगुप्त मौर्य ने सेल्यूकस को किस वर्ष में पराजित किया था?

(a) 317 ई.पू. (b) 315 ई.पू.

(c) 305 ई.पू. (d) 300 ई.पू.

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

28. दिया गया मानचित्र संबंधित है–

(a) कनिष्क से, उसकी मृत्यु के समय
(b) समुद्रगुप्त से, उसके दक्षिण भारत अभियान के उपरांत
(c) अशोक से, उसके शासनकाल के अंतिम समय
(d) हर्ष के राज्यारोहण के अवसर पर थानेश्वर के साम्राज्य से

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर–(c)

उक्त मानचित्र अशोक के साम्राज्य को दर्शाता है। अशोक के शिलालेखों तथा स्तंभ लेखों से अशोक के साम्राज्य की सही जानकारी प्राप्त होती है। असम और सुदूर दक्षिण को छोड़कर संपूर्ण भारतवर्ष अशोक के साम्राज्य के अंतर्गत था।

29. किसने सहिष्णुता, उदारता और करुणा के त्रिविध आधार पर राजधर्म की स्थापना की?

(a) अशोक (b) अकबर
(c) रणजीत सिंह (d) शिवाजी

U.P.P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर–(a)

अशोक ने अपनी प्रजा के विशाल समूह को ध्यान में रखकर ही एक ऐसे व्यावहारिक 'धम्म' का प्रतिपादन किया, जिसका पालन आसानी से सब कर सकें। अशोक का 'धम्म' सदाचार का धर्म था, ये ऐसे नैतिक नियम थे, जिनका संप्रदाय विशेष से कोई संबंध नहीं था और जो मानवता के कल्याण के लिए घोषित किए गए थे। सहिष्णुता, उदारता एवं करुणा इसके त्रिविध आयाम थे।

30. निम्न में से कौन-सा क्षेत्र अशोक के साम्राज्य में सम्मिलित नहीं था?

(a) अफगानिस्तान (b) बिहार
(c) श्रीलंका (d) कलिंग

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997

उत्तर–(c)

श्रीलंका अशोक के साम्राज्य में स्थित नहीं था। अशोक के द्वितीय शिलालेख से स्पष्ट होता है कि भारत में अशोक का अधिकार चोल, पाण्ड्य, सतियपुत्त, केरलपुत्त को छोड़कर सर्वत्र था, क्योंकि इन राज्यों को प्रत्यंत या सीमावर्ती राज्य कहा गया है।

31. अशोक के निम्नलिखित अभिलेखों में से किसमें दक्षिण भारतीय राज्यों का उल्लेख हुआ है?

(a) तृतीय मुख्य शिलालेख (b) द्वितीय मुख्य शिलालेख
(c) नवां मुख्य शिलालेख (d) प्रथम स्तंभ अभिलेख

U.P.P.C.S (Mains) 2016

उत्तर–(b)

अशोक के अभिलेखों को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है- (1) शिलालेख, (2) स्तंभ लेख एवं (3) गुहालेख। अशोक के द्वितीय वृहद् शिलालेख में चोल, पाण्ड्य, सतियपुत्त, केरलपुत्त आदि दक्षिण भारतीय राज्यों का उल्लेख मिलता है।

32. भारत का प्रथम अस्पताल एवं औषधि-बाग निर्माण करवाया था–

(a) अशोक ने (b) चंद्रगुप्त मौर्य ने
(c) भगवान महावीर ने (d) धन्वंतरि ने

U.P. Lower Sub. (Mains) 2015

उत्तर–(a)

सम्राट अशोक युद्ध के लिए इतना प्रसिद्ध नहीं हुआ, जितना एक धम्म विजेता एवं लोकोपकारी कार्यों से प्रसिद्ध हुआ। वह न केवल मानव वरन संपूर्ण प्राणी जगत के प्रति उदारता का दृष्टिकोण रखता था। इसी कारण उसने पशु-पक्षियों के वध पर प्रतिबंध लगा दिया था। अशोक ने लोकहित के लिए छायादार वृक्ष, धर्मशालाएं बनवाईं तथा कुएं भी खुदवाए। अशोक ने ही अपने शासनकाल में मनुष्यों व पशुओं के लिए उपयोगी औषधियों हेतु प्रथम अस्पताल (औषधालय) एवं औषधि-बागों का निर्माण करवाया।

33. "अशोक ने बौद्ध होते हुए भी हिंदू धर्म में आस्था नहीं छोड़ी" इसका प्रमाण है–

(a) तीर्थयात्रा (b) मोक्ष में विश्वास
(c) 'देवनामप्रिय' की उपाधि (d) पशु चिकित्सालय खोले

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1999

उत्तर–(c)

अशोक 272 ई.पू. के लगभग मगध के राजसिंहासन पर बैठा तथा 269 ई.पू. के लगभग उसका राज्याभिषेक हुआ। उसके अभिलेखों में सर्वत्र उसे 'देवनांमप्रिय' (देवानामपिय), 'देवानां पियदसि' कहा गया है, जिसका अर्थ है–देवताओं का प्रिय या देखने में सुंदर। इससे उसकी हिंदू धर्म में आस्था के संकेत मिलते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

34. निम्नलिखित में से किस स्रोत में अशोक के राज्यकाल में तृतीय बौद्ध समिति होने का उल्लेख मिलता है?

(1) अशोक के अभिलेख (2) दीपवंश

(3) महावंश (4) दिव्यावदान

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1, 2 (b) 2, 3

(c) 3, 4 (d) 1,4

U.P.P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

सिंहली अनुश्रुतियों–दीपवंश तथा महावंश के अनुसार, अशोक के राज्यकाल में 'पाटलिपुत्र' में बौद्ध धर्म की तृतीय संगीति हुई। इसकी अध्यक्षता 'मोग्गलिपुत्त तिस्स' नामक प्रसिद्ध बौद्ध भिक्षु ने की थी।

35. अशोक के शासनकाल में बौद्ध सभा किस नगर में आयोजित की गई थी?

(a) मगध (b) पाटलिपुत्र

(c) समस्तीपुर (d) राजगृह

45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

36. निम्नलिखित मौर्य शासक बौद्ध धर्म के अनुयायी थे–

1. चंद्रगुप्त 2. अशोक

3. बिंदुसार 4. दशरथ

सही उत्तर चुनिए–

(a) 1 एवं 2 (b) 2 एवं 3

(c) 3 एवं 4 (d) 2 एवं 4

(e) 1 एवं 3

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(d)

मौर्य शासकों अशोक और उसका पौत्र दशरथ बौद्ध धर्म के अनुयायी थे। दशरथ भी अशोक की तरह 'देवानांपिय' की उपाधि धारण करता था।

37. रज्जुक थे–

(a) चोल राज्य में व्यापारी

(b) मौर्य शासन में अधिकारी

(c) गुप्त साम्राज्य में सामंत वर्ग

(d) शक सेना में अधिकारी

U.P.P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर–(b)

अशोक के अभिलेखों में 'रज्जुक' नामक अधिकारी का उल्लेख मिलता है। अपने चौथे स्तंभ लेख में अशोक रज्जुकों में पूर्ण विश्वास प्रकट करते हुए कहता है–"जिस प्रकार माता-पिता योग्य धात्री के हाथों में बच्चे को सौंप कर आश्वस्त हो जाते हैं, उसी प्रकार मैंने ग्रामीण जनता के सुख के लिए रज्जुकों की नियुक्ति की है।" रज्जुकों की स्थिति आधुनिक जिलाधिकारी जैसी थी, जिसे राजस्व तथा न्याय दोनों क्षेत्रों में अधिकार प्राप्त थे।

38. सार्थवाह किसे कहते थे?

(a) दलालों को

(b) व्यापारियों के काफिले को

(c) महाजनों को

(d) तीर्थयात्रियों को

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008

उत्तर–(b)

मौर्यकाल में व्यापारिक काफिलों (कारवां) को सार्थवाह की संज्ञा दी गई थी। इसका उल्लेख कौटिल्य कृत अर्थशास्त्र से भी प्राप्त होता है।

39. निम्नलिखित में से कौन-सा अधिकारी मौर्य प्रशासन का भाग नहीं था?

(a) अग्रहारिक (b) युक्त

(c) प्रादेशिक (d) रज्जुक

R.A.S./R.T.S. (Pre) (Re-Exam) 2013

उत्तर–(a)

अशोक के लेखों में उसके प्रशासन के कुछ महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के नाम मिलते हैं। अशोक के तृतीय शिलालेख में तीन पदाधिकारियों के नाम मिलते हैं। ये तीनों पदाधिकारी हैं–

1. **युक्त**–ये जिले के अधिकारी होते थे, जो राजस्व वसूल करते थे।
2. **रज्जुक**–ये पहले केवल राजस्व विभाग का ही कार्य करते थे, किंतु बाद में उन्हें न्यायिक अधिकार भी प्रदान कर दिया गया।
3. **प्रादेशिक**–यह मंडल का प्रधान अधिकारी था। यह वर्तमान में संभागीय आयुक्त की तरह था, इसे न्याय का भी कार्य करना पड़ता था।

40. सारनाथ स्तंभ का निर्माण किया था–

(a) हर्षवर्धन ने (b) अशोक ने

(c) गौतम बुद्ध ने (d) कनिष्क ने

U.P. Lower Sub. (Spl.) Pre 2008

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

सारनाथ स्तंभ का निर्माण अशोक ने कराया था। इस स्तंभ के शीर्ष पर सिंह की आकृति बनी है, जो शक्ति का प्रतीक है। इस प्रतिकृति को भारत सरकार ने अपने प्रतीक चिह्न के रूप में लिया है। यह स्तंभ मौर्ययुगीन वास्तुकला का सबसे अच्छा उदाहरण है। मौर्ययुगीन सभी स्तंभ चुनार के बलुआ पत्थरों से निर्मित हैं।

41. निम्नलिखित में से किसे सर्वश्रेष्ठ स्तूप मानते हैं?

(a) अमरावती (b) भरहुत

(c) सांची (d) सारनाथ

U.P.P.C.S. (Mains) 2008

उत्तर–(c)

स्थापत्य कला के दृष्टिकोण से सांची के स्तूप को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। सांची, म.प्र. के रायसेन जिले में स्थित है। इसका निर्माण अशोक ने कराया था। इस स्तूप का आरंभिक काल तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व था। अतः विकल्प (c) सही उत्तर है। जबकि भरहुत का स्तूप म.प्र. के सतना जिले में स्थित है। सांची तथा भरहुत के स्तूपों की खोज एलेक्जेंडर कनिंघम ने की थी। अमरावती का स्तूप आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में कृष्णा नदी के दाहिने तट पर स्थित है। कर्नल कॉलिन मैकेंजी ने 1797 ई. में इस स्तूप का पता लगाया था। सारनाथ का धमेख स्तूप गुप्तकालीन है, जो बिना अधिष्ठान के समतल भूमि पर बनाया गया है।

42. सांची का स्तूप किस शासक ने बनवाया था?

(a) बिंबिसार (b) अशोक

(c) हर्षवर्धन (d) पुष्यमित्र

U.P.P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

43. सांची का स्तूप किसने बनवाया था?

(a) चंद्रगुप्त (b) कौटिल्य

(c) गौतम बुद्ध (d) अशोक

M.P.P.C.S. (Pre) 2006

M.P.P.C.S. (Pre) 1995

M.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

44. विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची का प्राचीन नाम यह भी था–

(a) काकणाम (b) वेत्रवती

(c) बेसनगरी (d) दशपुर

M.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(a)

विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची मध्य प्रदेश के रायसेन जिला में विदिशा के समीप स्थित है। यहां पर पर्वत के ऊपर कई स्तूपों का निर्माण किया गया है। इस कारण इसे महावंश में 'चेतिय' (स्तूप का दूसरा नाम) गिरि भी कहा गया है। चौथी सदी के गुप्त लेख में इसका नाम काकणाम (काकनाड) महाविहार मिलता है। यहां पर कुल 3 स्तूप हैं। स्तूप संख्या 1 प्रधान स्तूप है। स्तूप संख्या 2 में अशोक के धम्म महामात्रों के अवशेष तथा स्तूप संख्या 3 में सारिपुत्र तथा मौद्गलायन के भस्मपात्र उपलब्ध हुए हैं। इन स्तूपों का निर्माण अशोक के द्वारा कराया गया था, जिसे शुंग काल में इस अर्द्धगोलाकार स्मारक को प्रस्तर से आच्छादित किया गया।

45. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए -

सूची-I (स्थान)	सूची-II (स्मारक/भग्नावशेष)
A. कौशाम्बी	1. धमेख स्तूप
B. कुशीनगर	2. घोषिताराम मठ
C. सारनाथ	3. रानाभर स्तूप
D. श्रावस्ती	4. सहेत-महेत

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	1	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	2	3	1	4
(d)	4	2	1	3

U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर–(c)

दिए गए स्थान और उनसे संबंधित स्मारकों का सुमेलन निम्नानुसार है–

स्थान		स्मारक/भग्नावशेष
कौशाम्बी	–	घोषिताराम मठ
कुशीनगर	–	रानाभर स्तूप
सारनाथ	–	धमेख स्तूप
श्रावस्ती	–	सहेत-महेत

46. तीर्थयात्रा के समय सम्राट अशोक निम्नलिखित स्थानों पर गए। उन्होंने किस मार्ग का अनुगमन किया?

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

1. गया **2. कपिलवस्तु**

3. कुशीनगर **4. लुम्बिनी**

5. सारनाथ **6. श्रावस्ती**

कूट :

(a) 1, 2, 3, 4, 5 तथा 6 (b) 1, 3, 4, 2, 5 तथा 6

Scanned with OKEN Scanner

(c) 4, 5, 6, 3, 2 तथा 1 (d) 4, 2, 1, 5, 3 तथा 6

U.P.P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(d)

अभिलेखीय साक्ष्यों के आधार पर बौद्ध धर्म ग्रहण करने के उपरांत अशोक ने आखेट तथा विहार यात्राओं को रोक दिया तथा उनके स्थान पर धर्म यात्राओं को प्रारंभ किया। वह महात्मा बुद्ध के चरण-चिह्नों से पवित्र हुए स्थानों में राज्याभिषेक के 10 वर्ष बाद (आठवां शिलालेख) संबोधि (बोधगया) तथा 20 वर्ष बाद (रुम्मिनदेई अभिलेख) रुम्मिनदेई गया तथा उनकी पूजा की। इतिहासकार विंसेंट आर्थर स्मिथ ने अपनी पुस्तक **'अशोका : द बुद्धिस्ट एम्परर ऑफ इंडिया'** के सातवें अध्याय **'द इंडियन लीजेंड ऑफ अशोका'** में साहित्यिक साक्ष्यों के आधार पर उपगुप्त के साथ अशोक की धम्म यात्राओं का क्रम इस प्रकार दिया है–लुम्बिनी, कपिलवस्तु, बोधगया, सारनाथ, कुशीनगर और श्रावस्ती। इस प्रकार क्रमवत विकल्प (d) सही उत्तर है।

47. अशोक के शिलालेखों (Inscriptions) में प्रयुक्त भाषा है–

(a) संस्कृत (b) प्राकृत

(c) पाली (d) हिंदी

44th B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर–(b)

अशोक का इतिहास हमें मुख्यतः उसके अभिलेखों से ही ज्ञात होता है। उसके अभिलेखों का विभाजन 3 वर्गों में किया जा सकता है–(1) शिलालेख, (2) स्तंभलेख और (3) गुहालेख। शिलालेख 14 विभिन्न लेखों का एक समूह है, जो आठ भिन्न-भिन्न स्थानों से प्राप्त किए गए हैं। ये स्थान हैं–(1) शाहबाजगढ़ी, (2) मानसेहरा, (3) कालसी, (4) गिरनार, (5) धौली, (6) जौगढ़, (7) एर्रगुडी तथा (8) सोपारा। अशोक के अधिकांश अभिलेख प्राकृत भाषा एवं ब्राह्मी लिपि में लिखे गए हैं। केवल दो अभिलेखों-शाहबाजगढ़ी एवं मानसेहरा की लिपि ब्राह्मी न होकर खरोष्ठी है। तक्षशिला से आरमेइक लिपि में लिखा गया एक भग्न अभिलेख, शरेकुना नामक स्थान से यूनानी तथा आरमेइक लिपियों में लिखा गया द्विभाषीय यूनानी एवं सीरियाई भाषा अभिलेख तथा लंघमान नामक स्थान से आरमेइक लिपि में लिखा गया अशोक का अभिलेख प्राप्त हुआ है।

48. निम्नांकित में से कौन-सा अशोक कालीन अभिलेख 'खरोष्ठी' लिपि में है?

(a) कालसी (b) गिरनार

(c) शाहबाजगढ़ी (d) मेरठ

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

49. पत्थर पर प्राचीनतम शिलालेख किस भाषा में थे?

(a) पाली (b) संस्कृत

(c) प्राकृत (d) ब्राह्मी

U.P.P.C.S. (Pre) 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

50. ब्राह्मी लिपि का प्रथम उद्वाचन किस पर उत्कीर्ण अक्षरों से किया गया?

(a) पत्थर की पट्टियों पर (b) मुहरों पर

(c) स्तंभों पर (d) सिक्कों पर

U.P.P.C.S. (Mains) 2008

उत्तर–(a)

ब्राह्मी लिपि का प्रथम उद्वाचन पत्थर की पट्टियों (शिलालेखों) पर उत्कीर्ण अक्षरों से किया गया था। इस कार्य को संपादित करने वाले प्रथम विद्वान सर 'जेम्स प्रिंसेप' थे, जिन्होंने अशोक के अभिलेखों को पढ़ने का श्रेय हासिल किया।

51. अशोक के शिलालेखों को सर्वप्रथम किसने पढ़ा था?

(a) बूहलर (b) रॉबर्ट सेबेल

(c) जेम्स प्रिंसेप (d) कॉन्ड्रिगटन

I.A.S. (Pre) 1993

U.P.P.C.S. (Mains) 2006

U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

52. अशोक के अभिलेखों को सर्वप्रथम पढ़ा था-

(a) जेम्स प्रिंसेप ने (b) जॉर्ज ब्यूलर ने

(c) विंसेंट स्मिथ ने (d) अहमद हसन दानी ने

U.P.P.S.C. (R.I.) 2014

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

53. ब्राह्मी लिपि को सर्वप्रथम किसने पढ़ा?

(a) ए. कनिंघम (b) ए.एच. दानी

(c) ब्यूलर (d) जेम्स प्रिंसेप

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

54. **अशोक के शिलालेखों को पढ़ने वाला प्रथम अंग्रेज कौन था?**
(a) जॉन टॉवर (b) हैरी स्मिथ
(c) चार्ल्स मेटकॉफ (d) जेम्स प्रिंसेप
Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

55. **सम्राट अशोक के राजादेशों का सबसे पहले विकूटन (डिसाइफर) किसने किया था?**
(a) जॉर्ज ब्यूलर (b) जेम्स प्रिंसेप
(c) मैक्स मुलर (d) विलियम जोन्स
I.A.S. (Pre) 2016

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

56. **मौर्य साम्राज्य के पेशावर के निकट उत्तर-पश्चिम भाग में अशोक के शिलालेख थे–**
(a) ब्राह्मी लिपि में (b) आरमेइक लिपि में
(c) देवनागरी लिपि में (d) खरोष्ठी लिपि में
Jharkhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(d)

मौर्य साम्राज्य के पेशावर के निकट उत्तर-पश्चिम भाग में खरोष्ठी लिपि में अशोक के अभिलेख प्राप्त हुए हैं। अशोक के अधिकांश अभिलेख प्राकृत भाषा एवं ब्राह्मी लिपि में लिखे गए हैं। दो अभिलेखों 'शाहबाजगढ़ी' एवं 'मानसेहरा' की लिपि ब्राह्मी न होकर खरोष्ठी है। शरेकुना की लिपि आरमेइक एवं यूनानी है।

57. **वह स्थान, जहां प्राक् अशोक ब्राह्मी लिपि का पता चला है -**
(a) नागार्जुनकोंडा (b) अनुराधापुर
(c) ब्रह्मगिरि (d) मास्की
U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर–(b)

प्राक् अशोक ब्राह्मी (चौथी शताब्दी ईसा पूर्व) लिपि का पता श्रीलंका स्थित अनुराधापुर से चला। कुछ और स्थानों के अभिलेखों से इस प्रकार की लिपि का साक्ष्य मिला है, जिनके नाम इस प्रकार हैं–पिपरहवा, सोहगौरा और महास्थान।

58. **प्राचीन भारत में निम्नलिखित में से कौन-सी एक लिपि दाईं ओर से बाईं ओर लिखी जाती थी?**
(a) ब्राह्मी (b) नंदनागरी
(c) शारदा (d) खरोष्ठी
I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर–(d)

प्राचीन भारत में खरोष्ठी लिपि दाएं से बाएं लिखी जाती थी। इसे पढने का श्रेय, प्रिंसेप (1835 ई.), ग्रोटेफेंड (1836 ई.), लैसेन (1838 ई.) आदि विद्वानों को है। यह मुख्यतः उत्तर-पश्चिम भारत की लिपि थी।

59. **निम्नलिखित में से प्राचीन भारत की कौन-सी लिपि दाहिने से बाईं ओर लिखी जाती थी?**
(a) ब्राह्मी (b) शारदा
(c) खरोष्ठी (d) नंदनागरी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

60. **अशोक का अपने शिलालेखों में सामान्यतः जिस नाम से उल्लेख हुआ है, वह है–**
(a) चक्रवर्ती (b) धर्मदेव
(c) धर्मकीर्ति (d) प्रियदर्शी
I.A.S. (Pre) 1995

उत्तर–(d)

अशोक के अभिलेखों में सर्वत्र उसे देवानांपिय, देवानांपियदसि (देवताओं का प्रिय अथवा देखने में सुंदर-देवनाम् प्रियदर्शी) तथा राजा आदि की उपाधियों से संबोधित किया गया है। पुराणों में उसे 'अशोकवर्द्धन' कहा गया है।

61. **अपने शिलालेखों में अशोक सामान्यतः किस नाम से जाने जाते हैं?**
(a) चक्रवर्ती (b) प्रियदर्शी
(c) धर्मदेव (d) धर्मकीर्ति
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

62. **अभिलेखों में किस शासक का उल्लेख 'पियदस्सी' एवं 'देवानामप्रिय' के रूप में किया गया है?**
(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) अशोक
(c) समुद्रगुप्त (d) हर्षवर्धन
M.P.P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

63. निम्नलिखित वक्तव्यों में कौन-सा एक वक्तव्य अशोक के प्रस्तर स्तंभों के बारे में गलत है?
(a) इन पर बढ़िया पॉलिश है।
(b) ये अखंड हैं।
(c) स्तंभों का शैफ्ट शुंडाकार है।
(d) ये स्थापत्य संरचना के भाग हैं।
I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर—(d)

अशोक के प्रस्तर स्तंभ स्थापत्य संरचना के भाग नहीं हैं, बल्कि ये पृथक रचनाएं हैं। अन्य तीनों प्रश्नगत कथन अशोक के स्तंभों के संदर्भ में सही हैं।

64. निम्नलिखित में से किस उभारदार मूर्तिशिल्प (रिलीफ स्कल्प्चर) शिलालेख में अशोक के प्रस्तर रूप चित्र के साथ 'राण्यो अशोक' (राजा अशोक) उल्लिखित है?
(a) कंगनहल्ली (b) सांची
(c) शाहबाजगढ़ी (d) सोहगौरा
I.A.S. (Pre) 2019

उत्तर—(a)

कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में भीमा नदी के किनारे **कंगनहल्ली** में **बौद्ध स्तूप** है। यहां सम्राट अशोक का रानी के साथ प्रस्तर पर रूप चित्र उत्कीर्ण किया गया है, जिसके नीचे 'राण्यो अशोक' (राजा अशोक) लिखा है।

65. निम्नलिखित में से किस एक अभिलेख में अशोक के व्यक्तिगत नाम का उल्लेख मिलता है?
(a) कालसी (b) रुम्मिनदेई
(c) विशिष्ट कलिंग राजादेश (d) मास्की
I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर—(d)

अशोक का इतिहास हमें मुख्यतः उसके अभिलेखों से ही ज्ञात होता है। उसके अभी तक 40 से अधिक अभिलेख प्राप्त हो चुके हैं। मास्की, गुर्जरा, नेत्तूर एवं उडेगोलम के लेखों में अशोक का व्यक्तिगत नाम भी मिलता है।

66. निम्नलिखित अभिलेखों में से किस लेख में 'अशोक' नाम उल्लिखित है?
(a) भाब्रू अभिलेख (b) तेरहवां शिलालेख
(c) रुम्मिनदेई स्तंभ लेख (d) मास्की का लघु शिलालेख
R.A.S./R.T.S. (Pre) 2007

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

67. निम्नलिखित अभिलेखों में से किसमें अशोक का नामोल्लेख हुआ है?
(a) गुर्जरा में (b) अहरौरा में
(c) ब्रह्मगिरि में (d) सारनाथ में
U.P. P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

68. अशोक का रुम्मिनदेई स्तंभ संबंधित है—
(a) बुद्ध के जन्म से (b) बुद्ध के ज्ञान-प्राप्ति से
(c) बुद्ध के प्रथम उपदेश से (d) बुद्ध के शरीर-त्याग से
U.P.P.C.S.(Spl.) (Mains) 2008

उत्तर—(a)

अशोक ने अपने राज्याभिषेक के बीस वर्ष बाद लुम्बिनी की यात्रा की तथा वहां एक शिलास्तंभ (रुम्मिनदेई लघु स्तंभ लेख) स्थापित किया। बुद्ध की जन्मभूमि होने के कारण लुम्बिनी ग्राम का भोग कर माफ कर दिया तथा भू-राजस्व 1/6 से घटाकर 1/8 कर दिया।

69. गुर्जरा लघु शिलालेख, जिसमें अशोक का नामोल्लेख किया गया है, कहां स्थित है?
(a) उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में
(b) मध्य प्रदेश के दतिया जिले में
(c) राजस्थान के जयपुर जिले में
(d) बिहार के चंपारन जिले में
U.P. Lower Sub. (Pre) 2008

उत्तर—(b)

अशोक का नामोल्लेख करने वाला गुर्जरा लघु शिलालेख मध्य प्रदेश के दतिया जिले में स्थित है।

70. केवल वह स्तंभ, जिसमें अशोक ने स्वयं को मगध का सम्राट बताया है—
(a) मास्की का लघु स्तंभ (b) रुम्मिनदेई स्तंभ
(c) क्वीन स्तंभ (d) भाब्रू स्तंभ
39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर—(d)

भाब्रू (बैराट) स्तंभ लेख में अशोक ने स्वयं को मगध का सम्राट बताया है। यही अभिलेख अशोक को बौद्ध धर्मावलंबी प्रमाणित करता है।

71. कालसी प्रसिद्ध है—
(a) बौद्ध चैत्यों हेतु (b) फारसी सिक्कों के कारण
(c) अशोक के शिलालेख के कारण (d) गुप्तकालीन मंदिरों हेतु
U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर—(c)

Scanned with OKEN Scanner

कालसी, उत्तराखंड के देहरादून जिले में स्थित है। यहां से अशोक का शिलालेख मिला है। इसलिए कालसी का ऐतिहासिक महत्त्व है।

72. उत्तराखंड में, सम्राट अशोक के शिलालेखों की एक प्रति कहां मिली थी?

(a) नैनीताल (b) पौड़ी

(c) टिहरी (d) कालसी

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Mains) 2007

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

73. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए -

अशोक के प्रमुख शिलालेखों के स्थान		**वह स्थान जिस राज्य में हैं**
1. धौली	-	**ओडिशा**
2. एर्रगुडी	-	**आंध्र प्रदेश**
3. जौगड़	-	**मध्य प्रदेश**
4. कालसी	-	**कर्नाटक**

उपर्युक्त युग्मों में से कितने सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक युग्म (b) केवल दो युग्म

(c) केवल तीन युग्म (d) सभी चारों युग्म

I.A.S. (Pre) 2022

उत्तर–(b)

विकल्पगत अशोक के शिलालेखों में धौली - ओडिशा में, एर्रगुडी (एर्रागुडी) - आंध्र प्रदेश में, जौगढ़ - ओडिशा में तथा कालसी - उत्तराखंड में अवस्थित है।

74. निम्नलिखित में से अशोक का कौन-सा शिलालेख धार्मिक संश्लेषण (समन्वय) के बारे में कहता है?

(a) बारहवां शिलालेख (b) द्वितीय शिलालेख

(c) ग्यारहवां शिलालेख (d) तेरहवां शिलालेख

U.P. P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर–(a)

अशोक का बारहवां शिलालेख कहता है कि "सभी संप्रदायों के सार तत्व में वृद्धि हो; क्योंकि सबका मूल संयम ही है। हमें सभी संप्रदायों का आदर करना चाहिए।" अतः स्पष्ट है कि बारहवें शिलालेख से धार्मिक संश्लेषण (समन्वय) के बारे में प्रमाण मिलता है।

75. कलिंग युद्ध की विजय तथा क्षतियों का वर्णन अशोक के किस शिलालेख (Rock Edict) में है?

(a) शिलालेख I (b) शिलालेख II

(c) शिलालेख XII (d) शिलालेख XIII

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर–(d)

अशोक के राज्यकाल की पहली बड़ी घटना कलिंग युद्ध और इसमें अशोक की विजय थी। अशोक के तेरहवें (XIII) शिलालेख से इस युद्ध के संदर्भ में स्पष्ट साक्ष्य मिलते हैं। यह घटना अशोक के शासनकाल के 8 वर्ष बाद अर्थात 261 ई. पू. में घटित हुई। इस शिलालेख में उसने कलिंग युद्ध से हुई पीड़ा पर अपना दुःख और पश्चाताप व्यक्त किया है।

76. कलिंग युद्ध का विवरण हमें ज्ञात होता है–

(a) 13वें शिलालेख द्वारा

(b) रुम्मिनदेई स्तंभ लेख द्वारा

(c) ह्वेनसांग के विवरण द्वारा

(d) प्रथम लघु शिलालेख द्वारा

U.P.P.C.S (Pre) 2016

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

77. किस अभिलेख में कलिंग विजय का वर्णन है?

(a) मास्की अभिलेख

(b) रुद्रदामन अभिलेख

(c) जूनागढ़ अभिलेख

(d) हाथीगुम्फा अभिलेख

66th B.P.S.C. Re-Exam (Pre) 2020

उत्तर–(d)

खारवेल के हाथीगुम्फा अभिलेख में नंद राजा द्वारा कलिंग विजय कर यहां से ले जाई गई जिन प्रतिमा को खारवेल द्वारा वापस लाने का उल्लेख मिलता है। ध्यातव्य है कि अशोक की कलिंग विजय का उल्लेख अशोक के 13वें वृहत शिलालेख से प्राप्त होता है।

78. अशोक के निम्न अभिलेखों में से पूर्णरूपेण धार्मिक सहिष्णुता के प्रति समर्पित कौन-सा अभिलेख है?

(a) शिलालेख XIII

(b) शिलालेख XII

(c) स्तंभलेख VII

(d) भाब्रू लघु शिलालेख

U.P. Lower Sub. (Pre) 2008

उत्तर–(b)

अशोक के दीर्घ शिलालेख XII में सभी संप्रदायों के सार की वृद्धि होने की कामना की गई है तथा धार्मिक सहिष्णुता हेतु पालनीय उपाय बताए गए हैं।

Scanned with OKEN Scanner

79. निम्नलिखित में से किस शासक ने अपनी प्रजा को इस अभिलेख के माध्यम से परामर्श दिया?
"कोई भी व्यक्ति जो अपने संप्रदाय को महिमा-मंडित करने की दृष्टि से अपने धार्मिक संप्रदाय की प्रशंसा करता है या अपने संप्रदाय के प्रति अत्यधिक भक्ति के कारण अन्य संप्रदायों की निंदा करता है, वह अपितु अपने संप्रदाय को गंभीर रूप से हानि पहुंचाता है।"

(a) अशोक (b) समुद्रगुप्त
(c) हर्षवर्धन (d) कृष्णदेव राय

I.A.S. (Pre) 2020

उत्तर—(a)

प्रस्तुत पंक्तियां मौर्य शासक अशोक के बारहवें शिलालेख में उद्धृत हैं।

80. अशोक के जो प्रमुख शिलालेख (Rock Edicts) संगम राज्य के विषय में हमें बताते हैं, उनमें सम्मिलित हैं—

(a) I और X शिलालेख (b) I और XI शिलालेख
(c) II और XIII शिलालेख (d) II और XIV शिलालेख

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर—(c)

अशोक के दूसरे (II) शिलालेख में दक्षिण भारतीय एवं तेरहवें (XIII) शिलालेख में संगम राज्यों—चोल, पाण्ड्य, सतियपुत्त एवं केरलपुत्त सहित ताम्रपर्णी (श्रीलंका) की सूचना, जबकि तेरहवें शिलालेख में चोल, पाण्ड्य एवं ताम्रपर्णी का उल्लेख मिलता है।

81. निम्नलिखित में से किस दक्षिणी राज्य का उल्लेख अशोक के अभिलेखों में नहीं है?

(a) चोल (b) पाण्ड्य
(c) सतियपुत्त (d) सातवाहन

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

82. टालेमी फिलाडेल्फस, जिसके साथ अशोक के राजनय संबंध थे, कहां का शासक था?

(a) साइरोन (b) मिस्र
(c) मकदूनिया (d) सीरिया

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2006

उत्तर—(b)

मौर्य शासक अशोक के तेरहवें शिलालेख से यह ज्ञात होता है कि अशोक के पांच यवन राजाओं के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध थे- जिनमें अंतियोक (एंटियोकस-II थियोस- सीरिया का शासक), तुरमय या तुरमाय (टालेमी II फिलाडेल्फस-मिस्र का राजा), अंतकिनी (एंटीगोनस गोनातास-मेसीडोनिया या मकदूनिया का राजा), मग (साइरीन का शासक) तथा अलिक सुंदर (अलेक्जेंडर-एपाइरस या एपीरस का राजा) प्रमुख हैं।

83. अशोक का समकालीन तुरमय कहां का राजा था?

(a) मिस्र (b) कोरिंथ
(c) मेसीडोनिया (d) सीरिया

U.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

84. निम्नलिखित में से किस राजवंश के शासकों के सुदूर देशों जैसे सीरिया एवं मिस्र के साथ राजकीय संबंध थे?

(a) चोल (b) गुप्त
(c) मौर्य (d) पल्लव

U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

85. अशोक के 'धम्म' का मूल संदेश क्या है?

(a) राजा के प्रति वफादारी
(b) शांति एवं अहिंसा
(c) बड़ों का सम्मान
(d) धार्मिक सहनशीलता
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(e)

अशोक धम्म (धर्म) एक नैतिक संहिता थी, अशोक अपने दूसरे और सातवें शिलालेख के माध्यम से संदेश देता है- "अपासिनवे बहुकयाने दया दाने, सचे सोचये मादये साधवे च।" अर्थात कम पाप करना, कल्याण करना, दया-दान करना, सत्य बोलना, पवित्रता से रहना, स्वभाव में मधुरता तथा साधुता बनाए रखना।
इस प्रकार अशोक 'धम्म' के मूल संदेश में शांति और अहिंसा, बड़ों का सम्मान तथा धार्मिक सहनशीलता निहित है। अतः सही उत्तर विकल्प (e) होगा।

86. निम्न में से अशोक के किस अभिलेख में पारंपरिक अवसरों पर पशु बलि पर रोक लगाई गई है, ऐसा लगता है कि यह पाबंदी पशुओं के वध पर थी?

(a) शिला अभिलेख I
(b) स्तंभ अभिलेख V
(c) शिला अभिलेख IX
(d) शिला अभिलेख XI

R.A. S./R.T.S. (Pre) 2013

उत्तर—(b)

Scanned with OKEN Scanner

अशोक के प्रथम शिलालेख में पशु बलि निषेध के संदर्भ में लेख इस प्रकार है– ''यहां कोई जीव मारकर बलि न दिया जाए और न कोई उत्सव किया जाए। पहले 'प्रियदर्शी' राजा की पाकशाला में प्रतिदिन सैकड़ों जीव मांस के लिए मारे जाते थे, लेकिन अब इस अभिलेख के लिखे जाने तक सिर्फ तीन पशु प्रतिदिन मारे जाते हैं– दो मोर एवं एक मृग, इसमें भी मृग हमेशा नहीं मारा जाता। ये तीनों भी भविष्य में नहीं मारे जाएंगे।'' पांचवें स्तंभ लेख के अनुसार, अशोक द्वारा राज्याभिषेक के 26वें वर्ष बाद निम्नलिखित जीवों का वध निषिद्ध किया–तोता, मैना, अरुणा, जंगली बत्तख, नंदीमुख, चमगादड़, रानी चींटियां, अस्थि रहित मछली, कछुआ, साही, गिलहरी, हिरण, बैल, श्वेत कबूतर, घरेलू कबूतर और ऐसे चौपाये जो खाये न जाते हों और अन्य किसी काम न आते हों। प्रत्येक पक्ष के आठवें, चौदहवें और पंद्रहवें दिन तिष्य और पुनर्वसु के दिन, तीनों ऋतुओं की प्रथम पूर्णिमा को तथा दूसरे त्योहारों पर बैलों, बकरों, सुअरों तथा अन्य जानवरों को बधिया न किया जाए। तिष्य, पुनर्वसु और ऋतुओं की पूर्णिमा को, प्रत्येक ऋतु की पूर्णिमा वाले पक्ष में घोड़ों और बैलों को न दागा जाए। अतः स्पष्ट है कि इसका अभीष्ट उत्तर विकल्प (b) होगा।

87. निम्नलिखित प्राचीन भारतीय अभिलेखों में से कौन-सा एक खाद्यान्न को देश में संकटकाल में उपयोग हेतु सुरक्षित रखने के बारे में प्राचीनतम शाही आदेश है?

(a) सोहगौरा ताम्रपत्र

(b) अशोक का रुम्मिनदेई स्तंभलेख

(c) प्रयाग प्रशस्ति

(d) चंद्र का मेहरौली स्तंभ शिलालेख

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर–(a)

गोरखपुर जिले से प्राप्त सोहगौरा ताम्रपत्र अभिलेख और बोगरा जिले (बांग्लादेश) से प्राप्त महास्थान अभिलेख की रचना अशोक कालीन प्राकृत भाषा में हुई और उन्हें ईसा पूर्व तीसरी सदी की ब्राह्मी लिपि में लिखा गया। ये अभिलेख अकाल के समय किए जाने वाले राहत कार्यों के संबंध में हैं। इस अकाल की पुष्टि जैन स्रोतों से होती है।

88. कथन (A) : अशोक ने कलिंग को मौर्य साम्राज्य में जोड़ लिया था।

कारण (R) : कलिंग दक्षिण भारत को जाने वाले स्थलीय एवं समुद्री मार्गों को नियंत्रित करता था।

सही उत्तर का चुनाव, नीचे दिए गए कूट के प्रयोग से करें–

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

U.P. Lower Sub. (Pre) 2002

उत्तर–(a)

अशोक ने अपने राज्याभिषेक के 8 वर्ष बाद कलिंग पर विजय प्राप्त कर उसे मौर्य साम्राज्य में शामिल कर लिया था। दक्षिण के साथ सीधे संपर्क के लिए समुद्री तथा स्थल मार्ग पर मौर्यों का नियंत्रण आवश्यक था। यदि कलिंग स्वतंत्र देश रहता, तो समुद्री और स्थल मार्ग से होने वाले व्यापार में रुकावट पड़ सकती थी, अतः कलिंग को मगध साम्राज्य में मिलाना आवश्यक था। इस प्रकार, कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या है।

89. कथन (A) : मौर्यकालीन शासकों ने धार्मिक आधार पर भू-अनुदान नहीं दिया था।

कारण (R) : भू-अनुदान के विरुद्ध कृषकों ने विद्रोह किया।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

U.P.P.C.S. (Spl.)(Mains) 2004

उत्तर–(c)

धार्मिक आधार पर भूमिदान का प्रथम साक्ष्य मौर्योत्तर युगीन राजवंश सातवाहन के समय के एक अभिलेख से प्राप्त होता है। मौर्यकालीन शासकों ने धार्मिक आधार पर कोई भूमि दानस्वरूप नहीं दी थी। भूमिदान के विरुद्ध कृषकों के विद्रोह का कोई वर्णन नहीं प्राप्त होता है। अतः कथन (A) सही है, जबकि कारण (R) गलत है।

90. प्रसिद्ध यूनानी राजदूत मेगस्थनीज भारत में किसके दरबार में आए थे?

(a) अशोक (b) हर्षवर्धन

(c) चंद्रगुप्त मौर्य (d) हेमू

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1997

उत्तर–(c)

मेगस्थनीज, सेल्यूकस 'निकेटर' द्वारा चंद्रगुप्त मौर्य की राज्य सभा में भेजा गया यूनानी राजदूत था। इसके पूर्व वह अराकोसिया के क्षत्रप के राज-दरबार में सेल्यूकस का राजदूत रह चुका था। मेगस्थनीज ने काफी समय तक मौर्य दरबार में निवास किया। भारत में उसने जो कुछ भी देखा-सुना, उसे उसने 'इंडिका' नामक अपने ग्रंथ में लिपिबद्ध किया।

Scanned with OKEN Scanner

91. **मेगस्थनीज दूत था -**

(a) सेल्यूकस का (b) सिकंदर का

(c) डेरियस का (d) यूनानियों का

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

92. **किसके शासनकाल में मेगस्थनीज भारत आया?**

(a) अशोक (b) हर्षवर्धन

(c) चंद्रगुप्त मौर्य (d) कुमारगुप्त

U.P.P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

93. **मौर्य समाज का सात वर्गों में विभाजन का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है -**

(a) कौटिल्य के अर्थशास्त्र में

(b) अशोक के शिलालेखों में

(c) पुराणों में

(d) मेगस्थनीज की पुस्तक 'इंडिका' में

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(d)

मेगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में भारतीय समाज को सात श्रेणियों में विभाजित किया है—(1) दार्शनिक, (2) कृषक, (3) पशुपालक, (4) कारीगर, (5) योद्धा, (6) निरीक्षक एवं (7) सभासद। मेगस्थनीज भारतीय समाज में दास-प्रथा के प्रचलित होने का उल्लेख नहीं करता है। मौर्य काल में कोई भी व्यक्ति न तो अपनी जाति से बाहर विवाह कर सकता था और न ही उससे भिन्न पेशा ही अपना सकता था।

94. **मेगस्थनीज ने भारतीय समाज को कितनी श्रेणियों में विभाजित किया?**

(a) चार (b) पांच

(c) छः (d) सात

46th B.P.S.C. (Pre) 2003

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

95. **निम्नलिखित में से किस स्रोत में उल्लिखित है कि प्राचीन भारत में दासता नहीं थी?**

(a) अर्थशास्त्र (b) मुद्राराक्षस

(c) मेगस्थनीज की इंडिका (d) वायुपुराण

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

96. **मौर्य समाज का विभाजन सात वर्गों में विशेष तौर पर उल्लिखित है—**

(a) कौटिल्य के अर्थशास्त्र में (b) अशोक के शिलालेख में

(c) पुराणों में (d) मेगस्थनीज की इंडिका में

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

97. **मौर्यकाल में टैक्स को छुपाने (चोरी) के लिए इनमें से क्या दण्ड दिया जाता था?**

(a) मृत्युदण्ड (b) सामानों की कुर्की (जब्ती)

(c) कारावास (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर—(a)

मेगस्थनीज की पुस्तक 'इंडिका' में पाटलिपुत्र के नगर प्रशासन का वर्णन मिलता है। इसके अनुसार, पाटलिपुत्र नगर का प्रशासन 30 सदस्यों की विभिन्न समितियों द्वारा होता था। इसकी कुल 6 समितियां होती थीं तथा प्रत्येक समिति में 5 सदस्य होते थे। छठी समिति का कार्य बिक्री कर वसूल करना था। विक्रय कर मूल्य का दसवें भाग के रूप में वसूल किया जाता था। करों की चोरी करने वालों को मृत्युदण्ड दिया जाता था। अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

98. **वह स्रोत जिसमें पाटलिपुत्र के प्रशासन का वर्णन उपलब्ध है, है—**

(a) दिव्यावदान (b) अर्थशास्त्र

(c) इंडिका (d) अशोक शिलालेख

46th B.P.S.C. (Pre) 2003

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

99. **निम्नलिखित में से कौन स्रोत मौर्यों के नगर प्रशासन का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है?**

(a) कौटिल्य का अर्थशास्त्र (b) मेगस्थनीज की इंडिका

(c) विशाखदत्त का मुद्राराक्षस (d) अशोक का अभिलेख

U.P.P.C.S. (Mains) 2009

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

100. मेगस्थनीज की पुस्तक का नाम क्या है?

(a) अर्थशास्त्र (b) ऋग्वेद

(c) पुराण (d) इंडिका

47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

101. 'इंडिका' का मूल लेखक था–

(a) निआर्कस (b) मेगस्थनीज

(c) प्लूटार्क (d) डायोडोरस

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Mains) 2007

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

102. इंडिका का लेखक कौन था?

(a) विष्णुगुप्त (b) मेगस्थनीज

(c) डायामेचस (d) प्लिनी

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

103. 'इंडिका' का लेखक कौन था?

(a) प्लूटार्क (b) जस्टिन

(c) हेरोडोटस (d) मेगस्थनीज

M.P.P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

104. वर्तमान नगरपालिका प्रशासन का कौन-सा कार्य मौर्य काल से जारी है?

(a) नाप-तौल के बांटों का निरीक्षण

(b) वस्तुओं की कीमतें निर्धारित करना

(c) जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण

(d) शिल्पकारों का संरक्षण

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1992

उत्तर–(c)

मौर्य युग में नगरों का प्रशासन नगरपालिकाओं द्वारा चलाया जाता था, जिसका प्रमुख 'नागरक' या 'पुरमुख्य' था। मेगस्थनीज ने पाटलिपुत्र के नगर परिषद की पांच-पांच सदस्यों वाली 6 समितियों का उल्लेख किया है। इनमें से तीसरी समिति जन्म-मृत्यु पंजीकरण का हिसाब रखती थी। वर्तमान में भी यह कार्य नगरपालिका प्रशासन द्वारा किया जाता है।

105. मौर्य नरेशों के बारे में निम्न में से कौन-सा कथन सही है? उन्होंने विकास किया था–

A. संस्कृति, कला व साहित्य B. सोने के सिक्के

C. प्रांतीय विभाजन D. हिंदुकुश तक साम्राज्य

(a) केवल A (b) केवल B

(c) केवल A, B, C (d) केवल A, C, D

U.P.P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर–(d)

मौर्य सम्राटों ने संस्कृति, कला एवं साहित्य के विकास में महती भूमिका अदा की। चंद्रगुप्त मौर्य का साम्राज्य उत्तर-पश्चिम में ईरान की सीमा से लेकर दक्षिण में वर्तमान उत्तरी कर्नाटक तक फैला था। पूर्व में मगध से लेकर पश्चिम में सौराष्ट्र एवं सोपारा तक का संपूर्ण प्रदेश उसके साम्राज्य के अधीन था। इतिहासकार स्मिथ के अनुसार, हिंदुकुश पर्वत भारत की वैज्ञानिक सीमा थी। अशोक के अभिलेखों में मौर्य साम्राज्य के 5 प्रांतों के नाम मिलते हैं–(1) उत्तरापथ, (2) अवंतिरट्ठ, (3) कलिंग, (4) दक्षिणापथ एवं (5) प्राच्य या पूर्वी प्रदेश। स्वर्ण सिक्कों को भारत में प्रचलित करने का श्रेय हिंद-यवन (इंडोग्रीक) शासकों को है। अतः मौर्य नरेशों के संबंध में कथन A, C, D सत्य हैं।

106. 'भाग' एवं 'बलि' थे–

(a) सैनिक विभाग (b) राजस्व के स्रोत

(c) धार्मिक अनुष्ठान (d) प्रशासकीय विभाग

U.P.P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर–(b)

'भाग' एवं 'बलि' प्राचीन भारत में राजस्व के स्रोत थे। अर्थशास्त्र से ज्ञात होता है कि राजा भूमि का मालिक होता था, वह भूमि से उत्पन्न उत्पादन के एक भाग का अधिकारी था। इस कर को 'भाग' कहते थे। इसी प्रकार 'बलि' भी राजस्व का स्रोत था।

107. मौर्य काल में भूमि कर, जो कि राज्य की आय का मुख्य स्रोत था, किस अधिकारी द्वारा एकत्रित किया जाता था?

(a) अग्रोनोमोई (b) शुल्काध्यक्ष

(c) सीताध्यक्ष (d) अक्राध्यक्ष

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2010

उत्तर–(c)

मौर्य काल में 'सीताध्यक्ष' कृषि भूमि का अध्यक्ष था, वही भूमि कर वसूलने का कार्य करता था, जबकि 'अग्रोनोमोई/एग्रोनोमोई' जिले के अधिकारियों को कहा जाता था, 'शुल्काध्यक्ष' विभिन्न प्रकार के व्यवसाय एवं व्यापार कर वसूलता था तथा 'अक्राध्यक्ष' (आकाराध्यक्ष) खानों का नियंत्रण करता था। अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

Scanned with OKEN Scanner

108. मौर्यकाल में 'सीता' से तात्पर्य है-

(a) एक देवी
(b) एक धार्मिक संप्रदाय
(c) राजकीय भूमि से प्राप्त आय
(d) ऊसर भूमि

U.P. P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(c)

मौर्यकाल में राजकीय भूमि की व्यवस्था 'सीताध्यक्ष' द्वारा होती थी। इससे प्राप्त होने वाली आय को 'सीता' कहा जाता था।

109. मौर्य मंत्रिपरिषद में निम्न में से कौन राजस्व इकट्ठा करने से संबंधित था?

(a) समाहर्ता
(b) व्यभारिका
(c) अंतपाल
(d) प्रदेष्टा

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर–(a)

मौर्य मंत्रिपरिषद में राजस्व एकत्र करने का कार्य समाहर्ता के द्वारा किया जाता था। अंतपाल सीमा रक्षक या सीमावर्ती दुर्गों की देखभाल करता था, जबकि प्रदेष्टा विषयों या कमिश्नरियों का प्रशासक था।

110. निम्नलिखित में से कौन मौर्ययुगीन अधिकारी तौल-माप का प्रभारी था?

(a) पौतवाध्यक्ष
(b) पण्याध्यक्ष
(c) सीताध्यक्ष
(d) सूनाध्यक्ष

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर–(a)

मौर्ययुगीन अधिकारी 'पौतवाध्यक्ष' तौल-माप (Weights and Measures) का प्रभारी था। पण्याध्यक्ष वाणिज्य विभाग तथा सूनाध्यक्ष बूचड़खाने के प्रभारी थे।

111. मौर्य काल में 'एग्रोनोमोई' अधिकारी निम्नलिखित में से किस क्षेत्र से संबंधित थे?

(a) माप और तौल
(b) प्रशासन प्रबंधन
(c) मार्ग निर्माण
(d) राजस्व प्रबंधन

U.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(c)

मौर्य काल में 'एग्रोनोमोई' अधिकारी राजस्व का संग्रह, सिंचाई सुविधाओं का पर्यवेक्षण, न्यायिक प्रशासन और भूमि की माप, सड़कों पर 10 स्टेडिया की दूरी पर पत्थर लगवाना, सड़कों का रख-रखाव से संबंधित था। इस तरह मार्ग निर्माण उसका प्रमुख कार्य प्रतीत होता है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (c) माना है।

112. 'पंकोदकसन्निरोधे' मौर्य प्रशासन द्वारा लिया जाने वाला जुर्माना था–

(a) पीने के पानी को गंदा करने पर
(b) सड़क पर कीचड़ फैलाने पर
(c) कूड़ा फेंकने पर
(d) मंदिर को गंदा करने पर

R.A.S./R.T.S. (Pre) (Re-Exam) 2013

उत्तर–(b)

'पंकोदकसन्निरोधे' मौर्य प्रशासन में सड़क पर जल और कीचड़ इकट्ठा करने या कीचड़ फेंकने के कारण लिया जाने वाला जुर्माना था।

113. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची-I (अधिकारी)	सूची-II (कार्य)
A. तलार	1. चुंगी का सुरक्षक
B. पट्टकोल	2. चोरी-डकैती के मुकदमे का अधिकारी
C. साहसाधिपति	3. रात्रि सुरक्षाकर्मियों का अधिकारी
D. बलाधिप	4. ग्रामीण कर वसूली करने वाला अधिकारी

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	3	4	2	1
(c)	1	2	3	4
(d)	4	3	1	2

U.P. P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर–(b)

दिए गए विकल्पों का सही सुमेलन इस प्रकार है–

अधिकारी		कार्य
तलार	–	रात्रि सुरक्षाकर्मियों का अधिकारी
पट्टकोल	–	ग्रामीण कर वसूली करने वाला अधिकारी
साहसाधिपति	–	चोरी-डकैती के मुकदमे का अधिकारी
बलाधिप	–	चुंगी का सुरक्षक

114. मौर्य काल में शिक्षा का सर्वाधिक प्रसिद्ध केंद्र था–

(a) वैशाली
(b) नालंदा
(c) तक्षशिला
(d) उज्जैन

47th B.P.S.C. (Pre) 2005
Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

वैशाली वर्तमान में बिहार का एक जिला है। प्राचीन काल में वैशाली बुद्ध एवं जैन परंपरा से जुड़ा रहा। इसकी स्थापना छठी शताब्दी ईसा पूर्व में गौतम बुद्ध के जन्म (563 B.C.) से पहले की गई थी। महावीर स्वामी का जन्म यहीं हुआ था।
नालंदा बौद्ध शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र था। सर्वप्रथम यहां बौद्ध विहार की स्थापना गुप्तकाल में करवाई गई थी। नालंदा में की गई खुदाइयों से पता चलता है कि यहां विश्वविद्यालय लगभग एक मील लंबाई में और आधा मील चौड़ाई में स्थित था।
तक्षशिला मौर्य काल में हिंदू एवं बौद्ध शिक्षा का प्रमुख केंद्र था। यहां विश्वभर से लोग पढ़ने आते थे।

115. कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' के अनुसार, मौर्यकालीन न्याय व्यवस्था में निम्नलिखित न्यायालय अस्तित्व में थे–

(1) धर्ममहामात्र **(2) धर्मस्थीय**
(3) रज्जुक **(4) कंटकशोधन**

सही उत्तर चुनिए–

(a) 1 एवं 2 (b) 2 एवं 3
(c) 1 एवं 3 (d) 2 एवं 4
(e) 1 एवं 4

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर–(d)

कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' के अनुसार, मौर्यकालीन न्याय व्यवस्था में न्यायालय मुख्यतः दो प्रकार के थे–धर्मस्थीय तथा कंटकशोधन। धर्मस्थीय दीवानी तथा कंटकशोधन फौजदारी न्यायालय था। 'प्रदेष्टा' फौजदारी न्यायालय का न्यायाधीश तथा 'व्यावहारिक' दीवानी न्यायालय का न्यायाधीश था। कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में उल्लेख है कि जो अमात्य 'धर्मोपधाशुद्ध' अर्थात धार्मिक प्रलोभन द्वारा शुद्ध चरित्र वाले सिद्ध होते थे, उन्हें ही न्यायाधीश बनाया जाता था।

116. भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में इतिवृत्तों, राजवंशीय इतिहासों तथा वीरगाथाओं को कंठस्थ करना निम्नलिखित में से किसका व्यवसाय था?

(a) श्रमण (b) परिव्राजक
(c) अग्रहारिक (d) मागध

I.A.S. (Pre) 2016

उत्तर–(d)

भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में इतिवृत्तों, राजवंशीय इतिहासों तथा वीरगाथाओं को कंठस्थ करने का व्यवसाय मागध एवं सूत वर्गों का था।

117. गांवों के शासन को स्वायत्तशासी पंचायतों के माध्यम से संचालित करने की व्यवस्था का सूत्रपात किसने किया?

(a) कुषाणों ने (b) द्रविड़ों ने
(c) आर्यों ने (d) मौर्यों ने

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1997

उत्तर–(b)

गांवों के शासन को स्वायत्तशासी पंचायतों के माध्यम से संचालित करने की व्यवस्था का सूत्रपात द्रविड़ों (चोल) ने किया। यह व्यवस्था उस समय गांवों के प्रशासन का आधार थी।

118. प्राचीन भारत के निम्नलिखित ग्रंथों में से किसमें पति द्वारा परित्यक्त पत्नी के लिए विवाह विच्छेद की अनुमति दी गई है?

(a) कामसूत्र (b) मानवधर्मशास्त्र
(c) शुक्र नीतिसार (d) अर्थशास्त्र

I.A.S. (Pre) 1996

उत्तर–(d)

अर्थशास्त्र में पति द्वारा परित्यक्त पत्नी के लिए विवाह विच्छेद की अनुमति दी गई है। मौर्यकालीन समाज में तलाक की प्रथा थी। पति के बहुत समय तक विदेश में रहने या उसके शरीर में दोष होने पर पत्नी उसका त्याग कर सकती थी। इसी प्रकार पत्नी के व्यभिचारिणी होने या बन्ध्या होने जैसी दशाओं में पति उसका त्याग कर सकने का अधिकारी था।

119. निम्नलिखित में से किसमें पुनर्विवाह वर्जित (Prohibits) है?

(a) जातक (b) मनुस्मृति
(c) याज्ञवल्क्य (d) अर्थशास्त्र

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2002
U.P.P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर–(b)

मनुस्मृति के 38वें खंड में स्पष्ट उल्लेख है कि वह व्यक्ति, जिसकी पत्नी मर गई हो (विधुर-Widower) पुनर्विवाह कर सकता है, लेकिन विधवा (जिस स्त्री का पति मर गया हो अर्थात Widow) को पुनर्विवाह की अनुमति नहीं है।

120. विदेशियों को भारतीय समाज में मनु द्वारा दिया गया सामाजिक स्तर था-

(a) क्षत्रियों का (b) व्रात्य क्षत्रियों का
(c) वैश्यों का (d) शूद्रों का

U.P.P.S.C. (R.I.) 2014

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

विदेशियों को भारतीय समाज में मनु द्वारा व्रात्य क्षत्रिय (Fallen Kshatriyas) का सामाजिक स्तर दिया गया था।

121. निम्नलिखित व्यक्ति भारत में किसी-न-किसी समय आए—

1. फाह्यान **2. इत्सिंग**
3. मेगस्थनीज **4. ह्वेनसांग**

उनके आगमन का सही कालानुक्रम है—

(a) 3, 1, 2, 4 (b) 3, 1, 4, 2
(c) 1, 3, 2, 4 (d) 1, 3, 4, 2

I.A.S. (Pre) 1999

उत्तर—(b)

यूनानी शासक सेल्यूकस ने मेगस्थनीज नामक अपना एक राजदूत चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा था। वह बहुत दिनों तक पाटलिपुत्र में रहा तथा भारत पर उसने 'इंडिका' नामक पुस्तक की रचना की थी। चीनी यात्री फाह्यान ने चंद्रगुप्त II के समय भारत की यात्रा की थी। चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्धन के समय भारत आया। इत्सिंग सातवीं सदी ई. में भारत आया चीनी यात्री था।

122. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I	**सूची-II**
A. चंद्रगुप्त	**1. पियदसि**
B. बिंदुसार	**2. सैंड्रोकोट्टस**
C. अशोक	**3. अमित्रघात**
D. चाणक्य	**4. विष्णुगुप्त**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	1	3	2	4
(c)	2	3	1	4
(d)	3	4	2	1

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2001

उत्तर—(c)

सूची-I और सूची-II का सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
चंद्रगुप्त	–	सैंड्रोकोट्टस
बिंदुसार	–	अमित्रघात
अशोक	–	पियदसि
चाणक्य	–	विष्णुगुप्त

123. अंतिम मौर्य सम्राट था?

(a) जालौक (b) अवंति वर्मा
(c) नंदी वर्धन (d) बृहद्रथ

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(d)

अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ था। बृहद्रथ की हत्या इसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग के द्वारा 184 ई.पू. में की गई।

124. निम्न कथनों पर विचार कीजिए—

1. अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ की हत्या उसके प्रधान सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने की थी।
2. अंतिम शुंग राजा देवभूति की हत्या उसके ब्राह्मण मंत्री वासुदेव कण्व ने की और उसने राजसिंहासन हथिया लिया।
3. आंध्र ने कण्व राजवंश के अंतिम शासक को पद वंचित किया था।

इन कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2003

उत्तर—(d)

जिस महत्वाकांक्षी व्यक्ति ने 184 ई.पू. में अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ की हत्या करके शुंग राजवंश की स्थापना की, वह इतिहास में पुष्यमित्र शुंग के नाम से विख्यात है। शुंग वंश का अंतिम राजा देवभूति अत्यंत विलासी था, वह अपने आमात्य वासुदेव के षड्यंत्रों द्वारा मार डाला गया। वायु पुराण के अनुसार, अंतिम कण्व शासक सुशर्मा अपने आंध्र जातीय भृत्य सिमुक (सिंधुक) द्वारा मार डाला गया था।

125. मौर्य काल में प्रणयम था—

(a) आपातकालीन कर (b) प्रेम विवाह
(c) भूमि अनुदान (d) भूमिकर

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर—(a)

मौर्य काल में 'प्रणयम' (प्रणय) एक आपातकालीन कर था।

126. ईस्वी सन के पूर्व की कुछ शताब्दियों में निम्नलिखित में से किन शासकों ने गिरनार क्षेत्र में जल संसाधन व्यवस्था की ओर ध्यान दिया?

1. महापद्मनंद **2. चंद्रगुप्त मौर्य**
3. अशोक **4. रुद्रदामन**

Scanned with OKEN Scanner

नीचे के कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए -

(a) 1, 2 (b) 2, 3

(c) 3, 4 (d) 2, 3, 4

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2006

उत्तर–(b)

ईस्वी सन के पूर्व की कुछ शताब्दियों में चंद्रगुप्त मौर्य एवं अशोक ने गिरनार क्षेत्र में जल संसाधन व्यवस्था की ओर ध्यान दिया। उस क्षेत्र में चंद्रगुप्त मौर्य ने सुदर्शन झील खुदवाई तथा अशोक ने ई.पू. तीसरी शताब्दी में इससे नहरें निकालीं। शक क्षत्रप रुद्रदामन के जूनागढ़ अभिलेख में इन दोनों के कार्यों का वर्णन है। जूनागढ़ के शासक रुद्रदामन ने इस झील की मरम्मत कराई थी। चूंकि रुद्रदामन का यह कार्य दूसरी शताब्दी ईस्वी का था। अतः उत्तर में ईस्वी सन के पूर्व की शताब्दियों के संदर्भ में चंद्रगुप्त मौर्य एवं अशोक का ही नाम रहेगा। इस प्रकार यद्यपि शक शासक रुद्रदामन का नाम भी गिरनार क्षेत्र में जल संसाधन व्यवस्था से जुड़ा है, किंतु इसका समय ईस्वी सन के बाद (150 ई.) है। इसके अतिरिक्त स्कंदगुप्त के समय भी इस झील का पुनरुद्धार करवाया गया था।

127. जल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, जिस प्रथम शासक ने गिरनार क्षेत्र में एक झील का निर्माण करवाया, वह था–

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) अशोक

(c) रुद्रदामन (d) स्कंदगुप्त

U.P.P.C.S. (Mains) 2002

U.P.P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

128. निम्नलिखित में से किस अभिलेख में चंद्रगुप्त और अशोक दोनों का उल्लेख किया गया है?

(a) गौतमीपुत्र शातकर्णि की नासिक प्रशस्ति

(b) महाक्षत्रप रुद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख

(c) अशोक का गिरनार अभिलेख

(d) स्कंदगुप्त का जूनागढ़ अभिलेख

U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

129. निम्नलिखित अभिलेखों में से किसमें अशोक का अभिलेख भी पाया गया है?

(a) महाक्षत्रप रुद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख

(b) गौतमीपुत्र शातकर्णि से संबंधित नासिक प्रशस्ति

(c) खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख

(d) उपर्युक्त में से किसी में नहीं

U.P.P.C.S (Mains) 2016

उत्तर–(a)

अशोक का अभिलेख महाक्षत्रप रुद्रदामन के जूनागढ़ अभिलेख पर भी पाया गया है। रुद्रदामन पश्चिमी भारत के शकों का एक महान राजा था। गुजरात के जूनागढ़ (गिरनार) से शक संवत् 72 (150 ई.) का उसका एक अभिलेख प्राप्त हुआ है। इससे उसकी विजयों, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का विवरण प्राप्त होता है। अशोक के अतिरिक्त स्कंदगुप्त के भी दो लेख इस पर खुदे हुए हैं। सर्वप्रथम 1822 ई. में कर्नल टाड ने इस लेख को पता लगाया। यह विशुद्ध संस्कृत भाषा तथा ब्राह्मी लिपि में लिखित प्राचीनतम लेखों में से एक है। इसकी रचना का मुख्य उद्देश्य सुदर्शन झील के बांध के पुनर्निर्माण का विवरण सुरक्षित रखना है।

130. बराबर पहाड़ी की गुफाओं के विषय में निम्न में से कौन एक सही नहीं है?

(a) बराबर पहाड़ी पर कुल चार गुफाएं हैं।

(b) तीन गुफाओं की दीवार पर अशोक के अभिलेख उत्कीर्ण हैं।

(c) ये अभिलेख इन गुफाओं को आजीविकाओं को समर्पित होने का उल्लेख करते हैं।

(d) ये अभिलेख ईसा पूर्व छठीं शताब्दी के हैं।

U.P.P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर–(d)

बिहार के जहानाबाद जिले में स्थित बराबर और नागार्जुनी पहाड़ियां हैं। नागार्जुनी में 3 गुफाएं हैं तथा 'बराबर' नामक पहाड़ी पर कुल चार गुफाएं स्थित हैं, जिनमें से तीन गुफाओं की दीवारों पर अशोक के लेख उत्कीर्ण मिले हैं। चौथी गुफा (लोमस ऋषि गुफा) में मौखरि शासक अनन्तवर्मन का लेख है। इसे वैष्णव गुफा भी कहते हैं। प्रथम 3 गुफा अशोक द्वारा आजीवक संप्रदाय के साधुओं के निवास के लिए गुफा दान में दिए जाने का विवरण सुरक्षित है। चट्टानों को काटकर बनाई गई इन गुफाओं का संबंध मौर्यकाल (321-184 ई.पू.) से है। इन गुफाओं में उत्कीर्ण अभिलेख तीसरी सदी ई.पू. से संबंधित हैं।

131. मौर्यकालीन मूर्तियों में, मणिभद्र (यक्ष) नाम से अंकित मूर्ति किस स्थान से प्राप्त हुई है?

(a) झींग-का-नगरा (b) नोह ग्राम

(c) बेसनगर (d) परखम

R.A.S./R.T.S (Pre) 2021

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

मथुरा की मूर्तिकला का प्रादुर्भाव यहां की लोक कला के माध्यम से हुआ। लोक कला से संबंधित ये मूर्तियां 'यक्षों' की हैं। 'यक्ष' पूजा तत्कालीन लोक धर्म का एक अभिन्न अंग थी। यहां से सर्वाधिक महत्वपूर्ण 'परखम' नामक ग्राम से प्राप्त 'मणिभद्र' यक्ष की मूर्ति है, जिसका संबंध मौर्यकाल से है। मथुरा से प्राप्त यह यक्ष प्रतिमा भारतीय कला जगत में 'परखम यक्ष' के नाम से प्रसिद्ध है। इस प्रकार विकल्प (d) सत्य है।

132. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित है?

1. लोथल	-	**एन्सिएंट डॉकयार्ड**
2. सारनाथ	-	**फर्स्ट सरमन ऑफ बुद्ध**
3. राजगिरि	-	**लॉयन कैपिटल ऑफ अशोक**
4. नालंदा	-	**ग्रेट सीट ऑफ बुद्धिस्ट लर्निंग**

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए -

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 3 तथा 4

(c) 1, 2 तथा 4 (d) 1 तथा 2

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2004

उत्तर–(c)

लोथल-एन्सिएंट डॉकयार्ड, सारनाथ-फर्स्ट सरमन ऑफ बुद्ध , नालंदा ग्रेट सीट ऑफ बुद्धिस्ट लर्निंग ये सभी सही हैं, परंतु राजगिरि-लॉयन कैपिटल ऑफ अशोक का युग्म गलत है। इस युग्म का सही स्थान सारनाथ होगा।

Scanned with OKEN Scanner